I.C.S.E

कक्षा : X

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ;**Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. 'पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव से फैशन एवं प्रदर्शन की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जिसके कारण अनेक प्रकार की समस्याओं का जन्म हो रहा है तथा नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है' इस विषय पर निबंध लिखिए।
2. 'विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है।' कथन के आधार पर बताइए कि मानव के जीवन में मित्रों का क्या महत्व है? वे किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं? आप अपने मित्र का चुनाव करते समय उसमें किन गुणों का होना आवश्यक समझेंगे? अपने विचार स्पष्टतः लिखिए।
3. कल्पना कीजिए कि आप स्वास्थ्य मंत्री है और इस नाते आप देश में कौन-से और क्या परिवर्तन करेंगे।

4. 'दैव-दैव आलसी पुकारा' इस उक्ति पर आधारित 'भाग्य और पुरुषार्थ' पर निबंध लिखें।
5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आप अपने घर से दूर में रहने आए है, अपनी माता को पत्र लिखकर छात्रावास के आपके अनुभव के बारे में लिखिए।
2. अंग्रेजी शिक्षक न होने के कारण हो रही कठिनाई की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर शीघ्र व्यवस्था करने का अनुरोध कीजिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन भी कहा जाता है। यही दैवत्वपूर्ण जीवन है। इस जीवन का आधार यज्ञ होता है। शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है। चारों वेदों में कहा गया है धरती का केंद्र या आधार यज्ञपूर्ण जीवन ही है, यानी सत्कर्मों पर ही यह धरती टिकी हुई है। इसलिए कहा गया है कि यदि पृथ्वी को बचाना है तो श्रेष्ठ कर्मों की तरफ़ समाज को लगातार प्रेरित करने के लिए कार्य करना चाहिए। सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है। अपकारी यानि दूसरों को परेशान और दुख देने वाला जीवन ही राक्षसी जीवन या शैतानी ज़िदगी कही जाती है। इस तरह के जीवन से ही समाज में सभी तरह की समस्याएँ पैदा होती हैं। इस धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा। सत्कर्म तभी किए जा सकते हैं, जब हम सोच-विचार कर कर्म करेंगे। विचार के साथ किया हुआ कर्म ही अपना हित तो करता है परिवार, समाज और दुनिया का भी इससे भला होता है। जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्‌गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

1. यज्ञीय जीवन किसे कहा गया है?
2. सामान्य जीवन क्या है?
3. धरती को सभी समस्याओं से मुक्त करने के लिए हमें क्या करना होगा?
4. जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए क्या ज़रूरी है?

5. शास्त्र में यज्ञ किसे कहा गया है?

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए : [2]

   आर्दश, महाअन, परिस्थित, हस्ताक्षेप

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखें : [1]

   - वरदान
   - सज्जन

3. निम्नलिखित मुहावरों को उचित शब्दों से पूरा कीजिए : [2]

   i. _________ तले उँगली दबाना

   ii. बहती _______ में हाथ धोना।

4. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तनकीजिए : [3]

   1. तुम्हें मुझसे क्यों मिलना है? ('तुम्हें' के स्थान पर 'तुम' का प्रयोग करें।)
   2. एक <u>हाथी</u> जंगल में <u>बाघ</u> को देखकर भगाने लगा। (रेखांकित शब्दों का लिंग बदलकर वाक्य पुन: लिखें।)
   3. हमें अपनी जान से नहीं,देश से प्रेम है। ('हम' से वाक्य प्रारंभ कीजिए।)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मगर एक आदमी की जान का सवाल है।"

पाठ - जामुन का पेड़

लेखक - कृष्ण चंदर

1. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
2. विदेश विभाग ने पेड़ न काटने का हुक्म क्यों दिया? [2]
3. अंत में पेड़ काटने की अनुमति कैसे मिलती है? [3]
4. क्या अंत में उस व्यक्ति को पेड़ के नीचे से निकाल लिया जाता है? यदि नहीं तो क्यों स्पष्ट करें। [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

भेड़ों ने देखा तो वह बोली, "अरे भागो, यह तो भेड़िया है।"

पाठ - भेड़ें और भेड़िए

लेखक - हरिशंकर परसाई

1. बूढ़े सियार ने सियारों को क्यों रंगा? **[2]**
2. तीनों सियारों का परिचय किस प्रकार दिया गया? **[2]**
3. बूढ़े सियार ने भेड़िये का रूप क्यों बदला और उसे क्या सलाह दी? **[3]**
4. पहले भेड़ें क्यों भागने लगीं? **[3]**

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इलाहबाद का अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट इस बात को न समझ सका। उसे डिबेटिंग - क्लब में अपनी बात पर अड़ने की आदत थी, इन हथकंडों की उसे क्या खबर?

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. यहाँ पर इलाहबाद का अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट किसे संबोधित किया जा रहा है और वह क्या नहीं समझ पा रहा था? [2]
2. बेनी माधव सिंह ने अपने बेटे का क्रोध शांत करने के लिए क्या किया?
3. गाँव के लोग बेनी माधव सिंह के घर आकर क्यों बैठ गए थे?
4. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय॥
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोऊ के एक रंग, काग सब भये अपावन॥
कह गिरिधर कविराय, सुनो हो ठाकुर मन के।
बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के॥
साँई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार॥
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले॥

कह गिरिधर कविराय जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ

कवि - गिरिघर कविराय

1. 'गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय' - पंक्ति का भावार्थ लिखिए। [2]
2. कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि क्या स्पष्ट करते हैं? [2]
3. संसार में किस प्रकार का व्यवहार प्रचलित है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
   - काग
   - बेगरजी
   - विरला
   - सहस
   - व्यवहार
   - प्रीति

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी
'क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की'
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

कविता - मेघ आए

कवि - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. 'क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी, क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]
2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों? [2]
3. कवि ने पीपल के पेड़ के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है और क्यों? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
   - बरस
   - सुधि
   - अकुलाई
   - ढरके
   - क्षमा
   - भरम

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
झरने अनेक झरते जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़िया चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।
अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है,
बहती मलय पवन है, तन मन सँवारती है।
वह धर्मभूमि मेरी, वह कर्मभूमि मेरी।

कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि ने भारत के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया है? [2]
2. झरने कहाँ झरते हैं? [2]
3. भारत की हवा कैसी है? उसका हम पर क्या प्रभाव होता है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- अमराइयाँ

- मलय
- पवन
- तन
- कोयल
- चिड़िया

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस फ़र्नीचर पर हमारे बाप-दादा बैठते थे, पिता बैठते थे, चाचा बैठते थे। उन लोगों को कभी शर्म नहीं आई, उन्होंने कभी फ़र्नीचर के सड़े-गले होने की शिकायत नहीं की।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेंद्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण का वक्ता कौन है और इस समय वह किससे और क्यों बहस कर रहा है? [2]
2. श्रोता बेला के मायके और ससुराल में क्या अंतर है? [2]
3. बेला की फ़र्नीचर के बारे क्या राय थी? [3]
4. घर के फ़र्नीचर के बारे में वक्ता की राय क्या थी और वह उसे क्यों नहीं बदलना चाहता था? [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूर हट दासी। यह नाटक बहुत देख चुका हूँ। उदयसिंह की हत्या ही तो मेरे राजसिंहासन की सीढ़ी होगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. उपर्युक्त वाक्य का प्रसंग स्पष्ट करें। [2]
2. पन्ना ने कुँवर को सुरक्षित स्थान पर किस तरह पहुँचाया? [2]
3. पन्ना ने क्या बलिदान दिया? [3]
4. प्रस्तुत एकांकी का सार लिखिए। [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान को जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी की विदा करना चाहती हो तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजें।

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. वक्ता और श्रोता कौन है? [2]
2. वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]
3. जीवनलाल के अनुसार किस वजह से उनके नाम पर धब्बा लगा है? [3]
4. 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

माँ ने उसे सीने से लगाकर आशीर्वाद दिया, "बेटी, एक देदीप्यमान नक्षत्र बनकर तुम जग को प्रकाशमय कर दो। जीवन की सारी खुशियाँ तुम्हारे पास हों, तुम अपने उद्धेश्य प्राप्ति में सफल हो, यही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।"

1. मीनू के मन में किस प्रकार के भाव उभरते रहते थे? [2]

2. मीनू को वकालत करने की आज्ञा किस तरह मिली? [2]

3. किस कल्पना से मीनू सिहर उठती थी? [3]

4. होस्टल पहुँचने के बाद शुरू में मीनू को कैसा लगा? [3]

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, "आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।" मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे ! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके हृदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]

2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]

3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]

4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस निमंत्रण - पत्र को हाथ में लेकर वह फिर अतीत की स्मृतियों में डूब गई। वह अपने को अभागन महसूस कर रही थी। कई लड़के उसे देखकर नापसंद का चुके थे यह कल्पना करते ही उसका दिल भर आया। तभी उसने अपने को संभाला और अपनी सहेलियों के साथ बाहर चली गई।

1. यहाँ पर किसका निमंत्रण आया है? [2]

2. अतीत की स्मृतियों में डूब जाने पर मीनू क्यों उदास हो जाती है? [2]

3. कई लड़के उसे देखकर नापसंद कर चुके थे - स्पष्ट कीजिए। [3]

4. मीनू अपनी सहेलियों के साथ कहाँ जा रही है? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ;**Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. 'पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव से फैशन एवं प्रदर्शन की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जिसके कारण अनेक प्रकार की समस्याओं का जन्म हो रहा है तथा नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है' इस विषय पर निबंध लिखिए।

   नित नए-नए परिधानों से अपने को सँवारना और अपने आपको अति आकर्षक दिखाना ही फैशन है। फैशन के पीछे मूलभूत कारण आकर्षकता और प्रभावशीलता की होड़ है। फैशन किया ही इसलिए जाता है लोग उसे देखें और आश्चर्यचकित हों। वैसे तो प्रत्येक युग में फैशन का बोलबाला रहा है। पर आधुनिक युग में तो यह अपने चरम पर है। आज समय और परिस्थितियाँ इतनी परिवर्तित हुई हैं कि इस बदलाव का सीधा और साफ असर युवाओं पर नजर आ रहा है। अतिश्योक्ति नहीं होगी अगर यह कहा

जाये कि न सिर्फ युवा बल्कि बच्चे भी इस फैशन से अछूते नहीं हैं। आज हम बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में फैशन के प्रति सजगता देख सकते हैं। जिस तीव्रता से फैशन के प्रति लोगों में आकर्षण बढ़ा है और हर बात को फैशन के नाम पर सहजता से लेने का प्रयास होता वह निश्चित रूप से शुभ संकेत तो कतई नहीं है। फैशन को बढ़ावा देने के अनेकों कारण हो सकते हैं। परंतु हमारे देश में पश्चिमी सभ्यता के कुछ ज्यादा ही प्रभाव है। हम पश्चिम की देखा देखी में अपने वास्तविक परिधानों और वेशभूषा को भूलते जा रहे हैं।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर एक देश की जलवायु, भौगोलिक परिस्थिति आदि पर उस देश का पहनावा निर्भर करता है। फैशन एक प्रकार का मीठा विष है जिसकी चपेट में हमारी युवा पीढ़ी अंधकार की गर्त में डूबी जा रही है। फैशन अवश्य करो परंतु उसके शिकार मत बनो। आज हमारी खासकर युवा पीढ़ी फैशन की इस अंधी होड़ में अपने संस्कार,सभ्यता व संस्कृति को शने-शने भूलती जा रही। शालीनता और सादगी से उन्हें परहेज होता जा रहा है। अब तो हद यह हो गई है कि परिधानों से आप लड़का और लड़की में अंतर भी नहीं कर पाते। आज तो लड़के भी कान छिदवाने और लंबे बाल रखने लगे हैं। लड़कियाँ भी लड़कों के समान ही वेशभूषा धारण करने लगी है। भारतीय परिधानों को आउट डेटेट कहकर नकार देते हैं।

फैशन की इस प्रवृत्ती के कारण कई तरह के अपराध भी होते है और हमारे नैतिक मूल्यों का भी हास्र होता है। आज बड़े-बड़े व्यापारिक संस्थान लाभ कमाने हेतु विभिन्न प्रकार के फैशन से संबंधित विज्ञापन देते हैं। इसके प्रचार-प्रसार में पत्रिकाएँ, टेलीविजन आदि भी पीछे नहीं रहते। चैनलों पर प्रसारित होने वाले फैशन संबंधित कार्यक्रमों में आपत्तिजनक वेशभूषा में मॉडलों को रैंप पर कैटवाक करते हुए दिखाया जाता है। फिल्मों में कहानी से ज्यादा फैशन को प्रमुखता से दिखाया जाना है। एक तरफ जहाँ महिलाओं में धारावाहिकों के पात्रों के परिधान और डिजाइनर के कपड़े चर्चा का केन्द्र बनते तो दूसरी तरफ युवाओं के बीच हर उस नई आने वाली फिल्मों में इस्तेमाल किये गये फैशनेबल कपड़ें से लेकर जूते या फिर कोई

नई तकनीक के इलेक्ट्रोनिक आइटम चर्चा का केन्द्र बनते। ये कुछ कारण है जिससे हमारी सामजिक और नैतिकमूल्यों का पतन होता है।
ये भी सर्वविदित सत्य है कि इस फैशन से छुटकारा पाना सरल नहीं है लेकिन यदि फैशन को मर्यादा में रहकर किया जाय तो यह बुरा भी नहीं है। अत: हमें चाहिए कि हम गलत और सही की पहचान कर ऐसे फैशन को अपनाए जिससे हमारी सभ्यता, संस्कृति और संस्कार न छूटे। सभ्यता और संस्कृति के अनुसार बदलने वाले रंग-ढंग, सुंदर दिखने के लिए अपनाए गये नए शालीन तरीके ही फैशन हैं।

2. 'विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है।' कथन के आधार पर बताइए कि मानव के जीवन में मित्रों का क्या महत्व है? वे किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं? आप अपने मित्र का चुनाव करते समय उसमें किन गुणों का होना आवश्यक समझेंगे? अपने विचार स्पष्टतः लिखिए।
मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में हर व्यक्ति के अनेक सम्बन्ध होते हैं। परस्पर सहयोग से रहना मानव का स्वभाव है। उसका सही स्वभाव मित्रता को जन्म देता है।
मित्रता एक अनमोल धन है। आज के युग में युग में सच्चा मित्र पाना स्वर्ग को पा लेने के समान है। सच्चा मित्र वह होता है, जो हमें अच्छे व बुरे का अहसास करवाए, साथ ही हमें कुमार्ग से सुमार्ग पर ले जाए। मित्रता में वह शक्ति है, जो बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान कर सकती है। मित्रता में मनुष्य एक-दूसरे का साथ देता है।
हर व्यक्ति को मित्र की आवश्यकता होती है। वह अपने दिल की हर बात निर्भयता से केवल अपने मित्र से कह सकता है। सच्चा मित्र अपने मित्र के सुख-दुख को अपना सुख-दुख मानता है।
रहीम जी ने कहा है -

"कह रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत
बिपत्ति-कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।।"

अंग्रेजी कहावत के अनुसार सच्चा मित्र वही है, जो समय पर काम आए। कृष्ण-सुदामा की मित्रता नि:स्वार्थ एवं पवित्र थी। यह सच्ची मित्रता का अनुपम उदाहरण है।

हमें चाहिए कि जब भी किसी को अपना मित्र बनाए तो सोच-विचार कर बनाए क्योंकि जहाँ एक सच्चा मित्र आपका साथ देकर आपको ऊँचाई तक पहुँचा सकता है, वहीँ कपटी मित्र अपने स्वार्थ के लिए आपको पतन के रास्ते पर ले जाता है।

संत कबीर कहते हैं कि -

“कपटी मित्र न कीजिए, पेट पैठि बुधि लेत।
आगे राह दिखाय के, पीछे धक्का देति।।”

कपटी आदमी से मित्रता कभी न कीजिए क्योंकि वह पहले पेट में घुस कर सभी भेद जान लेता है और फिर आगे की राह दिखाकर पीछे से धक्का देता है।

‘कबीर तहां न जाईय, जहां न चोखा चीत।
परपूटा औगुन घना, मुहड़े ऊपर मीत।’

ऐसे व्यक्ति या समूह के पास ही न जायें जिनमें निर्मल चित्त का अभाव हो। ऐसे व्यक्ति सामने मित्र बनते हैं पर पीठ पीछे अवगुणों का बखान कर बदनाम करते हैं।

अत:मित्र का सही चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए, क्योंकि सच्चा मित्र हमारी सफलता की कुँजी होता है।

3. कल्पना कीजिए कि आप स्वास्थ्य मंत्री है और इस नाते आप देश में कौन-से और क्या परिवर्तन करेंगे।

यदि मैं अपने देश का स्वास्थ्य मंत्री होता तो अपने आपको, सचमुच बड़ा भाग्यशाली मानता, क्योंकि देश-सेवा का ऐसा सुनहरा अवसर और कोई हो ही नहीं सकता क्योंकि स्वस्थ लोगों से ही एक सबल राष्ट्र की कल्पना की जा सकती है।

बचपन से ही मेरे मन में स्वास्थ्य मंत्री बनने की इच्छा थी इसका कारण यह था कि मैं बचपन में जिस कस्बे में पला बढ़ा वहाँ पर प्राथमिक

उपचार की भी सुविधा नहीं थी। इस कारण कई बार लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। खुद मेरे दादाजी को सही उपचार न मिलने के कारण उनकी मृत्यु मेरी ही आँखों के सामने हुई।

मैं अपने कार्यकाल के दौरान देश में आम नागरिकों को सस्ती और उचित स्वास्थ्य सेवाओं को पहुँचाने हेतु सरकारी अस्पताल का अधिक से अधिक निर्माण करता। जहाँ जनता को मुफ्त जाँच मुफ्त, इलाज, दवाईंयाँ आदि मिलती। मैं जेनेरिक दुकानों में भी वृद्धि करता जिसके फलस्वरूप महँगी दवाई बेचने वालों पर मैं लगाम कस सकता। महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए संसद में एक अलग बजट पेश करता।

भारत वासियों के स्वास्थ्य सुधार के लिए ठोस कदम उठाता, गाँवों की स्वास्थ्य प्रगति के लिए पंचायतों को विशेष अधिकार देता, समाजसुधारकों और ग्राम सेवकों को भी प्रोत्साहित करता।

स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते मैं प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर प्रतिबंध लगाता। पर्यावरणीय स्वच्छता के लिए प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा देता और दूसरी और वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए गाँव-गाँव और नगर-नगर नागरिक समितियों का गठन करता और पूरे देश को इसमें सह भागी करता। गंदगी करनेवालों, प्रदूषण फैलाने वाले, नियम और कानून तोड़ने वालों पर कड़ी कार्यवाही करता।

मैं स्वयं अपनी सेवा कर्तव्यनिष्ठा से एक आदर्श प्रस्तुत करने का प्रयत्न करता। मैं विरोधी पक्षों के दृष्टिकोण को समझने की पूरी कोशिश करता और देश की स्वास्थ्य समस्याओं को हल करने के लिए उनका सहयोग लेता। अपने सहयोगी के सदस्यों को मैं उनकी योग्यता के अनुसार उचित जिम्मेदारी सौंपता, उस सब के प्रति मेरा व्यवहार सहानुभूतिपूर्ण तथा निष्पक्ष होता, फिर भी किसी तरह भ्रष्टाचार को बर्दाश्त न करता।

स्वास्थ्य मंत्री के नाते में अपना लक्ष्य देश को हर तरह से सुखी और समृद्ध और स्वस्थ बनाने की ओर ही केंद्रित करता।

4. 'दैव-दैव आलसी पुकारा' इस उक्ति पर आधारित ‘भाग्य और पुरुषार्थ’ पर निबंध लिखें।

भाग्य और पुरुषार्थ। कभी लगता है भाग्य श्रेष्ठ है। कभी लगता है कि पुरुषार्थ श्रेष्ठ है। प्रत्येक व्यक्ति की अपनी-अपनी धारणा होती है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता कठिन परिश्रम से ही मिलती है। अकर्मण्य व्यक्ति देश, जाति, समाज और परिवार के लिए एक भार बन जाते हैं। जो व्यक्ति दूसरों का मुँह ताकते रहते हैं, वह पराधीन हैं - दास हैं। कुछ लोग यह समझते हैं कि 'वही होगा जो मंजूरे खुदा होगा' और अकर्मण्य बन जाते हैं। ऐसे लोग भाग्यवाद में विश्वास करते हैं और प्रयत्न से कोसों दूर रह जाते हैं। आलसी कभी सफलता नहीं पाता। केवल आलसी लोग ही हमेशा 'दैव-दैव' करते रहते हैं और कर्मशील लोग 'दैव-दैव आलसी पुकारा' कहकर उनका उपहास करते हैं।

यह संसार कर्म करने वालों की पूजा करता है। कर्मशील व्यक्ति भाग्य को अपने वश में कर लेते हैं। पर्वत भी इनके आगे शीश झुकाते हैं। मनुष्य परिश्रम के द्वारा कठिन से कठिन कार्य सिद्ध कर सकता है। परिश्रम अर्थात् मेहनत के ही द्वारा मनुष्य अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। कोई भी कार्य केवल हमारी इच्छा मात्र से ही नहीं सिद्ध होता है, उसके लिये हमें कठिन परिश्रम का सहारा लेना पड़ता है। जैसे सोए हुए शेर के मुख में पशु स्वयं ही प्रवेश नही करता उसे भी परिश्रम करना पड़ता है, वैसे ही केवल मन की इच्छा से काम सिद्ध नही होते उनके लिये परिश्रम करना पड़ता है। प्राचीन ग्रंथ, महाभारत में भी गुरू द्रोण के शिष्य अर्जुन, कठिन परिश्रम के ही द्वारा सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर बन सके। भारत देश की स्वतंत्रता भी गांधी जी और नेहरू जी जैसे महापुरुषों के परिश्रम का फल है। परिश्रम ही सफ़लता की कुंजी है।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र भूकंप से संबंधित है। चित्र में चारों ओर ध्वस्त इमारतें और उनका मलबा दिखाई दे रहा है। चित्र भूकंप के थम जाने के बाद का है। चित्र में बचाव दल के साथ लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

भूकम्प अर्थात् भूमि का कम्पन ! पृथ्वी का अपनी धुरी पर हिलना डुलना, कम्पन करना भूकम्प या भूचाल कहलाता है। सामान्यतः भूमि अपनी धुरी पर हिलती है तो उससे भूकम्प नहीं आते मगर जब धरती के नीचे सब कुछ अधिक पैमाने पर होता है तो पृथ्वी का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह प्रभावित होता है।

भूकम्प पीड़ितों के दुखों का अनुमान नहीं लगा सकते। किन्तु दूरदर्शन पर देखकर और समाचार पत्र पढ़ कर हमें ज्ञात होता है कि उनके साथ क्या घटित हुआ। सब अपने परिवारों से बिछुड़ जाते हैं। घरबार, धन दौलत सब कुछ समाप्त हो जाता है।

जापान में प्रायः भूकम्प आते रहते हैं अतः वहाँ लकड़ी के मकान बनाए जाते हैं जिससे जान माल का नुकसान कम हो।

भूकंप के आने पर हमें कुछ सावधानियाँ बरतनी चाहिए जैसे भूकंप महसूस होते ही घर से बाहर निकलकर खुली जगह पर चले जाना चाहिए, कमरे से बाहर न निकल पाने की स्थिति में कमरे के किसी कोने या किसी मजबूत फर्नीचर के नीचे छिप जाना चाहिए,घर के बाहर निकलकर कभी भी

बिजली, टेलीफोन के खंभे या पेड़-पौधों के नीचे न खड़े नहीं होना चाहिए
कमरे मौजूद सभी बिजली के उपकरणों को बंद कर देना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आप अपने घर से दूर में रहने आए है, अपनी माता को पत्र लिखकर छात्रावास के आपके अनुभव के बारे में लिखिए।

   रामदेवी छात्रालय
   सुभाष मार्ग
   नागपुर।
   22 फरवरी 20..
   आदरणीय माताजी
   सादर प्रणाम।
   मैं यहाँ ठीक हूँ। आशा करती हूँ, आप सब वहाँ सकुशल होगे।
   आप सबको छोड़कर पहली बार अकेली रह रही हूँ। मुझे आप सभी की बहुत याद आती है। पहले दो-तीन दिन जरा भी मन नहीं लगा परंतु अब बहुत-सी लड़कियाँ मेरी सहेलियाँ बन गई है। यहाँ के शिक्षक भी बहुत अच्छे है। कपड़े धोना, बिस्तर लगाना, सभी वस्तुएँ ठीक जगह पर रखना मैं सीख रही हूँ।
   मैं यहाँ मन लगाकर पढ़ रही हूँ।
   पिताजी को मेरा प्रणाम और छोटी को प्यार देना।
   तुम्हारी लाड़ली
   मीना

2. अंग्रेजी शिक्षक न होने के कारण हो रही कठिनाई की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर शीघ्र व्यवस्था करने का अनुरोध कीजिए।

   सेवा में,

प्रधानाचार्य
आदर्श शिशु विहार
जयपुर
दिनाँक : 1 जुलाई 2015
विषय : अंग्रेजी शिक्षक शीघ्र व्यवस्था करने हेतु अनुरोध पत्र।
महोदय
मैं विद्यालय का हेड बॉय होने के कारण आपका ध्यान कक्षा दसवीं में एक महीने बीत जाने पर भी अंग्रेजी शिक्षक न होने की ओर दिलाना चाहता हूँ। गत एक महीने से हमारी नियमित रूप से अंग्रेजी की कक्षाएँ नहीं हो रही है। कभी-कभी अन्य श्रेणी के अंग्रेजी अध्यापक हमें आकर पढ़ाते जरुर हैं लेकिन वह पर्याप्त नहीं है। आप को तो पता ही होगा कि हमारे लिए यह वर्ष कितना महत्त्वपूर्ण है।
अत: आपसे निवेदन है कि आप हमारी इस समस्या की ओर ध्यान देकर अति शीघ्र इसे सुलझाने का प्रयास करेंगे।
आपका आज्ञाकारी छात्र
सौरभ गुप्ता
हेड बॉय
कक्षा - दसवीं 'अ'

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन भी कहा जाता है। यही दैवत्वपूर्ण जीवन है। इस जीवन का आधार यज्ञ

होता है। शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है। चारों वेदों में कहा गया है धरती का केंद्र या आधार यज्ञपूर्ण जीवन ही है, यानी सत्कर्मों पर ही यह धरती टिकी हुई है। इसलिए कहा गया है कि यदि पृथ्वी को बचाना है तो श्रेष्ठ कर्मों की तरफ़ समाज को लगातार प्रेरित करने के लिए कार्य करना चाहिए। सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है। अपकारी यानि दूसरों को परेशान और दुख देने वाला जीवन ही राक्षसी जीवन या शैतानी ज़िदगी कही जाती है। इस तरह के जीवन से ही समाज में सभी तरह की समस्याएँ पैदा होती हैं। इस धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा। सत्कर्म तभी किए जा सकते हैं, जब हम सोच-विचार कर कर्म करेंगे। विचार के साथ किया हुआ कर्म ही अपना हित तो करता है परिवार, समाज और दुनिया का भी इससे भला होता है। जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्‌गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

1. यज्ञीय जीवन किसे कहा गया है?

   उत्तर : जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन कहा जाता है।

2. सामान्य जीवन क्या है?

उत्तर : सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है।

3. धरती को सभी समस्याओं से मुक्त करने के लिए हमें क्या करना होगा?

उत्तर : धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा।

4. जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए क्या ज़रूरी है?

उत्तर : जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्‌गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

5. शास्त्र में यज्ञ किसे कहा गया है?

उत्तर : शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है।

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए : [2]

आर्दश, महाअन, परिस्थित, हस्ताक्षेप

उत्तर : आदर्श, महान, परिस्थिति, हस्तक्षेप

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखें : [1]

- वरदान - अभिशाप
- सज्जन - दुर्जन

3. निम्नलिखित मुहावरों को उचित शब्दों से पूरा कीजिए : [2]

i. दाँतों तले उँगली दबाना

ii. बहती गंगा में हाथ धोना।

4. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तनकीजिए : [3]

1. तुम्हें मुझसे क्यों मिलना है? ('तुम्हें' के स्थान पर 'तुम' का प्रयोग करें।)

   उत्तर : तुम मुझसे क्यों मिलना चाहते हो?

2. एक हाथी जंगल में बाघ को देखकर भगाने लगा। (रेखांकित शब्दों का लिंग बदलकर वाक्य पुन: लिखें।)

   उत्तर : एक हथिनी जंगल में बाघिन को देखकर भागने लगी।

3. हमें अपनी जान से नहीं,देश से प्रेम है। ('हम' से वाक्य प्रारंभ कीजिए।)

   उत्तर : हम अपनी जान से नहीं देश से प्रेम करते हैं।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मगर एक आदमी की जान का सवाल है।"

पाठ - जामुन का पेड़
लेखक - कृष्ण चंदर

1. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : जब फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के आदमी आरी, कुल्हाड़ी लेकर पहुँचे तो उन्हें पेड़ काटने से रोक दिया गया। मालूम हुआ कि विदेश-विभाग से हुक्म आया था कि इस पेड़ को न काटा जाए करण यह था, कि इस पेड़ को दस वर्ष पूर्व पिटोनिया राज्य के प्रधानमंत्री ने लगाया था। अब यदि इस पेड़ को काटा गया तो पिटोनिया सरकार से हमारे देश के संबंध सदा के लिए बिगड़ सकते थे। इसी बात के संदर्भ में एक क्लर्क ने चिल्लाते हुए इस कथन को कहा।

2. विदेश विभाग ने पेड़ न काटने का हुक्म क्यों दिया? [2]

उत्तर : पेड़ को दस वर्ष पूर्व पिटोनिया राज्य के प्रधानमंत्री ने सेक्रेटेरियट के लॉन में लगाया था। अब यदि इस पेड़ को काटा गया तो पिटोनिया सरकार से हमारे देश के संबंध सदा के लिए बिगड़ सकते थे। इस कारण विदेश विभाग ने पेड़ न काटने का हुक्म दिया।

3. अंत में पेड़ काटने की अनुमति कैसे मिलती है? [3]

उत्तर : विदेश विभाग अंत में फाइल लेकर प्रधानमंत्री के पास पहुँचते हैं। प्रधानमंत्री सारी अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारी अपने सिर पर लेते हुए उस पेड़ को काटने की अनुमति दे देते हैं। अत: इस प्रकार फाइलें कई विभागों से गुजरते हुए अंत में जाकर प्रधानमंत्री द्वारा स्वीकृत होती है।

4. क्या अंत में उस व्यक्ति को पेड़ के नीचे से निकाल लिया जाता है? यदि नहीं तो क्यों स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : नहीं, अंत में उस व्यक्ति को पेड़ के नीचे से निकाल लिया जाता है क्योंकि सरकारी विभाग के अधिकारी जामुन के पेड़ को हटाने तथा उस व्यक्ति को बचाने की बजाए फाइलें बनाने तथा उन फाइलों को अलग-अलग विभागों में पहुँचाने में लगे हुए थे और अंत में जब तक फैसला आया तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उस व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
भेड़ों ने देखा तो वह बोली, "अरे भागो, यह तो भेड़िया है।"

पाठ - भेड़ें और भेड़िए
लेखक - हरिशंकर परसाई

1. बूढ़े सियार ने सियारों को क्यों रंगा? **[2]**

उत्तर : बूढ़े सियार ने भेड़ियों का चुनाव-प्रचार तथा भेड़ों को भ्रमित और गुमराह करने के लिए सियारों को रंगा था।
वन-प्रदेश में प्रजातंत्र की स्थापना से भेड़िये डर गए थे तब भेड़ियों की रक्षा करने के लिए बूढ़े सियार ने एक योजना बनाई जिसके अंतर्गत उसे भेड़ियों का प्रचार करना था और भेड़ों को यह विश्वास दिलाना था कि भेड़ों के लिए उपयुक्त उम्मीदवार भेड़िये ही है अपनी इस योजना को सफल बनाने के लिए ही उसने सियारों को रंगा था।

2. तीनों सियारों का परिचय किस प्रकार दिया गया? **[2]**

उत्तर : अपनी योजना को सफल बनाने के लिए सियार ने तीन सियारों को क्रमशः पीले, नीले और हरे में रंग दिया और भेड़ों के सामने उनका परिचय इस प्रकार दिया कि पीले रंगवाला सियार विद्वान, विचारक, कवि और लेखक है, नीले रंगवाले सियार को नेता और स्वर्ग का पत्रकार बताया गया और वहीं हरे रंगवाले सियार को धर्मगुरु का प्रतीक बताया गया।

3. बूढ़े सियार ने भेड़िये का रूप क्यों बदला और उसे क्या सलाह दी**?** **[3]**

उत्तर : अपनी योजना को सफल बनाने के लिए बूढ़े सियार ने अपने साथियों को रंगने के बाद भेड़िये के रूप को भी बदला।

भेड़िये का रूप बदलने के बाद बूढ़े सियार ने उसे तीन बातें याद रखने की सलाह दी कि वह अपनी हिंसक आँखों को ऊपर न उठाए**,** हमेशा जमीन की ओर ही देखें और कुछ न बोलें और सब से जरुरी बात सभा में बहुत-सी भेड़ें आएगी गलती से उनपर हमला न कर बैठना।

4. पहले भेड़ें क्यों भागने लगीं**?** **[3]**

उत्तर : बूढ़े सियार ने एक संत के आने की खबर पूरे वन-प्रदेश में फैला रही थी इसलिए उसको देखने के लिए भेड़ें बड़ी संख्या में सभा-स्थल पर मौजूद थीं। पर जब उन्होंने अपने सामने संत के रूप में भेड़िये को देखा तो वे डर के मारे भागने लगीं।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इलाहबाद का अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट इस बात को न समझ सका। उसे डिबेटिंग - क्लब में अपनी बात पर अड़ने की आदत थी, इन हथकंडों की उसे क्या खबर?

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. यहाँ पर इलाहबाद का अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट किसे संबोधित किया जा रहा है और वह क्या नहीं समझ पा रहा था? [2]

उत्तर : यहाँ पर बेनी माधव सिंह के के बड़े पुत्र श्रीकंठ को अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट संबोधित किया जा रहा है।

श्रीकंठ अपनी पत्नी की शिकायत पर अपने पिता के सामने घर से अलग हो जाने का प्रस्ताव रखता है।जिस समय वह ये बातें करता

है वहाँ पर गाँव के अन्य लोग भी उपस्थित होते हैं। बेनी माधव अनुभवी होने के कारण घर के मामलों को घर में ही सुलझाना चाहते थे और यही बात श्रीकंठ को समझ नहीं आ रही थी। पिता के समझाने पर भी वह लोगों के सामने घर से अलग होने की बात दोहरा रहा था।

2. बेनी माधव सिंह ने अपने बेटे का क्रोध शांत करने के लिए क्या किया?

उत्तर : अनुभवी बेनी माधव सिंह ने अपने बेटे का क्रोध शांत करने के लिए कहा कि वे उसकी बातों से सहमत है श्रीकंठ जो चाहे कर सकते हैं क्योंकि उनके छोटे बेटे से अपराध तो हो ही गया है साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बुद्धिमान लोग मूर्खों की बात पर ध्यान नहीं देते। लालबिहारी बेसमझ लड़का है उससे जो भी भूल हुई है उसे श्रीकंठ बड़ा होने के नाते माफ़ कर दे।

3. गाँव के लोग बेनी माधव सिंह के घर आकर क्यों बैठ गए थे?

उत्तर : गाँव में कुछ कुटिल मनुष्य ऐसे भी थे जो बेनी माधव सिंह के संयुक्त परिवार और परिवार की नीतिपूर्ण गति से जलते थे उन्हें जब पता चला कि अपनी पत्नी की खातिर श्रीकंठ अपने पिता से लड़ने चला है तो कोई हुक्का पीने, कोई लगान की रसीद दिखाने के बहाने बेनी माधव सिंह के घर जमा होने लगे।

4. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें।

उत्तर : श्रीकंठ क्रोधित होने के कारण अपने पिता से सबके सामने लड़ पड़ते हैं। पिता नहीं चाहते थे कि घर की बात बाहर वालों को पता चले परंतु श्रीकंठ अनुभवी पिता की बातें नहीं समझ पाता और लोगों के सामने ही पिता से बहस करने लगता है। उपर्युक्त कथन श्रीकंठ की इसी नासमझी को बताने के लिया कहा गया है।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय॥
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोऊ के एक रंग, काग सब भये अपावन॥
कह गिरिधर कविराय, सुनो हो ठाकुर मन के।
बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के॥
साँई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार॥
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले॥
कह गिरिधर कविराय जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि - गिरिघर कविराय

1. 'गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय' - पंक्ति का भावार्थ लिखिए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति में गिरिधर कविराय ने मनुष्य के आंतरिक गुणों की चर्चा की है। गुणी व्यक्ति को हजारों लोग स्वीकार करने को तैयार रहते हैं लेकिन बिना गुणों के समाज में उसकी कोई महत्ता नहीं। इसलिए व्यक्ति को अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

2. कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि क्या स्पष्ट करते हैं? [2]

उत्तर : कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि कहते है कि जिस प्रकार कौवा और कोयल रूप-रंग में समान होते हैं किन्तु दोनों की वाणी में ज़मीन-आसमान का फ़र्क है। कोयल की वाणी मधुर होने के कारण वह सबको प्रिय है। वहीं दूसरी ओर कौवा अपनी कर्कश वाणी के कारण सभी को अप्रिय है। अत: कवि कहते हैं कि बिना गुणों के समाज में व्यक्ति का कोई नहीं। इसलिए हमें अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

3. संसार में किस प्रकार का व्यवहार प्रचलित है? [3]

उत्तर : कवि कहते हैं कि संसार में बिना स्वार्थ के कोई किसी का सगा-संबंधी नहीं होता। सब अपने मतलब के लिए ही व्यवहार रखते हैं। अत:इस संसार में मतलब का व्यवहार प्रचलित है।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- काग - कौवा
- बेगरजी - नि:स्वार्थ
- विरला - बहुत कम मिलनेवाला
- सहस - हजार
- व्यवहार - बर्ताव
- प्रीति - प्यार, प्रेम

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी

'क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की'
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

कविता - मेघ आए

कवि - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. 'क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी, क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि नायिका को यह भ्रम था कि उसके प्रिय अर्थात् मेघ नहीं आएँगे परन्तु बादल रूपी नायक के आने से उसकी सारी शंकाएँ मिट जाती है और वह क्षमा याचना करने लगती है।

2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों? [2]

   उत्तर : लता ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ की ओट में से देखा क्योंकि एक तो वह बादल को देखने के लिए व्याकुल हो रही थी और दूसरी ओर वह बादलों के देरी से आने के कारण रूठी हुई भी थी।

3. कवि ने पीपल के पेड़ के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है और क्यों? [3]

   उत्तर : कवि ने पीपल के पेड़ के लिए 'बूढ़े' शब्द का प्रयोग किया है क्योंकि पीपल का पेड़ दीर्घजीवी होता है। जिस प्रकार गाँव में मेहमान आने पर बड़े-बूढ़े आगे बढ़कर उसका अभिवादन करते हैं वैसे ही मेघ रूपी दामाद के आने पर गाँव के बुज़ुर्ग पीपल का पेड़ आगे बढ़कर उनका स्वागत करते हैं।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

   - बरस - वर्ष
   - सुधि - सुध

- अकुलाई - व्याकुल
- ढरके - ढलकना
- क्षमा - माफ़ी
- भरम - संदेह, संशय

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
झरने अनेक झरते जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़िया चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।
अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है,
बहती मलय पवन है, तन मन सँवारती है।
वह धर्मभूमि मेरी, वह कर्मभूमि मेरी।

कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि ने भारत के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया है? [2]
   उत्तर : कवि ने भारत के लिए जन्मभूमि, मातृभूमि, धर्मभूमि तथा कर्मभूमि विशेषणों का प्रयोग किया है।

2. झरने कहाँ झरते हैं? [2]
   उत्तर : झरने भारत माता की पवित्र पहाड़ियों पर झरते हैं।

3. भारत की हवा कैसी है? उसका हम पर क्या प्रभाव होता है? [3]
   उत्तर : भारत में बहने वाली हवा सुगंधित है। यह हमारे तन-मन को सँवारती है।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- अमराइयाँ - आम के पेड़ों के बाग

- मलय - पर्वत का नाम
- पवन - हवा
- तन - शरीर, काया
- कोयल - कोकिल
- चिड़िया - खग

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस फ़र्नीचर पर हमारे बाप-दादा बैठते थे, पिता बैठते थे, चाचा बैठते थे। उन लोगों को कभी शर्म नहीं आई, उन्होंने कभी फ़र्नीचर के सड़े-गले होने की शिकायत नहीं की।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेंद्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण का वक्ता कौन है और इस समय वह किससे और क्यों बहस कर रहा है? [2]

   उत्तर : उपर्युक्त अवतरण का वक्ता परेश है जो कि तहसीलदार है। इस समय वह अपनी पत्नी बेला से फ़र्नीचर के बाबत बहस कर रहा है।

   बेला पढ़ी-लिखी और आधुनिक विचारधारा को मानने वाली स्त्री है। वह घर के पुराने फ़र्नीचर को बदलना चाहती है और इसलिए वह इस बात पर अपने पति परेश से बहस करती है।

2. श्रोता बेला के मायके और ससुराल में क्या अंतर है? [2]

   उत्तर : बेला जो की घर की छोटी बहू है, बड़े घर से ताल्लुक रखती है। घर की इकलौती लड़की होने के कारण उसे अपने घर में बहुत अधिक लाड़-प्यार, मान सम्मान और स्वच्छंद वातावरण मिला था। उसके विपरीत उसका ससुराल एक संयुक्त परिवार था जो

घर के दादाजी की छत्रछाया में जीता था। यहाँ के लोग सभी पुराने संस्कारों में ढले हैं।

3. बेला की फ़र्नीचर के बारे क्या राय थी? [3]

उत्तर : बेला बड़ी घर की एकलौती बेटी होने के कारण अपने मायके में लाड़-प्यार से पली-बढ़ी थी। यहाँ ससुराल में सभी पुराने संस्कारों को मानने वाले थे अत:घर की कोई भी चीज को बदलना नहीं चाहते थे। बेला की राय में कमरे का फ़र्नीचर सड़ा-गला और टूटा-फूटा है और वह इस प्रकार के फ़र्नीचर को अपने कमरे में रखने की बिल्कुल भी इच्छुक नहीं थी।

4. घर के फ़र्नीचर के बारे में वक्ता की राय क्या थी और वह उसे क्यों नहीं बदलना चाहता था? [3]

उत्तर : वक्ता परेश पढ़ा-लिखा और तहसीलदार पद को प्राप्त किया युवक है परंतु संयुक्त परिवार में रहने के कारण उसे घर के माहौल के साथ ताल-मेल बिठाकर कार्य करना होता है। उसकी पत्नी बेला को कमरे का फ़र्नीचर टूटा-पुराना और सड़ा-गला लगता है तो इस पर वक्ता कहता है कि यह वही फ़र्नीचर है जिस पर उसके दादा, पिता और चाचा बैठा करते थे। उन्होंने तो कभी फ़र्नीचर की ऐसी शिकायत नहीं की और यदि इस फ़र्नीचर को वह कमरे में न रखे तो उसके परिवार इसे ठीक नहीं समझेंगे। अत:वक्ता अपने कमरे का फ़र्नीचर बदलना नहीं चाहता था।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूर हट दासी। यह नाटक बहुत देख चुका हूँ। उदयसिंह की हत्या ही तो मेरे राजसिंहासन की सीढ़ी होगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. उपर्युक्त वाक्य का प्रसंग स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त वाक्य बनवीर धाय पन्ना से कहता है जब वह कुँवर को मारने जाता है और पन्ना उन्हें रोकने का प्रयास करती है। पन्ना उसे कहती है कि वह कुँवर को लेकर संन्यासिनी बन जाएगी, वह चाहे तो ताज रख लें परंतु कुँवर के प्राण बक्श दें।

2. पन्ना ने कुँवर को सुरक्षित स्थान पर किस तरह पहुँचाया? [2]

उत्तर : पन्ना धाय को जैसे ही बनवीर के षडयंत्र का पता चला वैसे ही पन्ना ने सोये हुए कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया।

3. पन्ना ने क्या बलिदान दिया? [3]

उत्तर : पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

4. प्रस्तुत एकांकी का सार लिखिए। [3]

उत्तर : महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा।

पन्ना धाय स्वर्गीय महाराणा साँगा की स्वामिभक्त सेविका है। वह कर्तव्यनिष्ठ तथा आदर्श भारतीय नारी है। वह हमेशा कुँवर

की सुरक्षा का ध्यान रखती है।

सोना पन्ना धाय को अपनी देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा छोड़कर बनवीर के साथ मिल जाने की सलाह दे रही है। परंतु वह नहीं मानती।

बनवीर ने दीपदान उत्सव का आयोजन किया। उसने सोचा प्रजाजन दीपदान उत्सव के नाचगाने में मग्न होगे तब कुँवर उदय सिंह को मारकर वह सत्ता हासिल कर सकता है।

तभी किसी ने पन्ना को यह खबर दी और पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान को जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी की विदा करना चाहती हो तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजें।

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. वक्ता और श्रोता कौन है? [2]

   उत्तर : वक्ता जीवन लाल, कमला के ससुर है और श्रोता प्रमोद है जो अपनी बहन कमला की विदा के लिए उसके ससुराल आया है।

2. वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]

   उत्तर : यहाँ वक्ता जीवन लाल है। जीवन लाल अत्यंत लोभी, लालची

और असंवेदनशील व्यक्ति है।

3. जीवनलाल के अनुसार किस वजह से उनके नाम पर धब्बा लगा है? [3]
उत्तर : जीवनलाल के अनुसार बेटे की शादी में बहू कमला के परिवार वालों ने उनकी हैसियत के हिसाब से उनकी खातिरदारी नहीं की तथा कम दहेज दिया। इससे उनके मान पर धब्बा लगा है।

4. 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]
उत्तर : यहाँ पर 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय दहेज से है। जीवन लाल शादी में कम दहेज मिलने के घाव को पाँच हजार रूपी मरहम देकर दूर करने कहते हैं।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
माँ ने उसे सीने से लगाकर आशीर्वाद दिया, "बेटी, एक देदीप्यमान नक्षत्र बनकर तुम जग को प्रकाशमय कर दो। जीवन की सारी खुशियाँ तुम्हारे पास हों, तुम अपने उद्धेश्य प्राप्ति में सफल हो, यही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।"

1. मीनू के मन में किस प्रकार के भाव उभरते रहते थे? [2]
उत्तर : मीनू अपनी जीवन की परिस्थितियों से विवश होकर कई बार वह हीन भावना से ग्रसित हो जाती थी उसे ऐसा आभास होने लगता था कि उसका जीवन व्यर्थ है जल्द की वह अपनी भावनाओं पर काबू भी पा लेती थी कि उस जैसी होनहार युवती के लिए इस तरह की भावना उचित नहीं है।

2. मीनू को वकालत करने की आज्ञा किस तरह मिली? [2]

उत्तर : बचपन से मीनू की इच्छा वकील बनने की थी परंतु मीनू के माता-पिता उसे होस्टल नहीं भेजना चाहते थे। पर मीनू की वकील बनने के प्रति लगन ने उन्हें आज्ञा देने के लिए मजबूर कर दिया।

3. किस कल्पना से मीनू सिहर उठती थी? [3]

उत्तर : मीनू पहली बार आपने माता-पिता से अलग हो रही थी अभी तक हमेशा अपने भाई-बहन के साथ मिलकर पढ़ाई करते हुए बड़ी हुई थी अचानक उन सबसे दूर हो जाने की कल्पना से ही मीनू सिहर उठती थी।

4. होस्टल पहुँचने के बाद शुरू में मीनू को कैसा लगा? [3]

उत्तर : होस्टल में पहुँचने के बाद कई दिनों तक मीनू का दिल बिल्कुल भी नहीं लगा। उसे कुछ नया और अजीब सा प्रतीत होता रहता था। शुरू में वहाँ उसकी अधिक सहेली भी नहीं बन पाई थी। वह अपना अधिकतर समय पुस्तकों के साथ ही बिताती थी।

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, "आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।" मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे ! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके ह्रदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]

उत्तर : नवयुवक अमित है। ये वही है जो कुछ दिनों पहले मीनू देखने के लिए आया था और उसका रिश्ता यह कहकर ठुकराया था कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आ गई थी।

2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]

उत्तर : मीनू अपने सामने अमित को देखकर चौंक गई। मीनू ने यह कल्पना नहीं की थी कि किसी दिन अमित से उसका सामना इस तरह होगा।

3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]

उत्तर : अमित ने जब मीनू की प्रशंसा की तो वह खुश नहीं हुई क्योंकि अमित वही लड़का था जिसने कुछ दिनों पूर्व उसका रिश्ता ठुकराया था।

4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर अमित ने मीनू जैसी गुणी लड़की का रिश्ता ठुकराकर उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई थी। मीनू पढ़ी-लिखी गुणी लड़की थी परंतु अमित के माता-पिता ने अमीर लड़की का रिश्ता आने के कारण उसके रिश्ते को यह कहकर ठुकराया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आई है जबकि वास्तव में वे धनीमल की बेटी सरिता से अमित का विवाह करवाना चाहते थे।

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस निमंत्रण - पत्र को हाथ में लेकर वह फिर अतीत की स्मृतियों में डूब गई। वह अपने को अभागन महसूस कर रही थी। कई लड़के उसे देखकर

नापसंद का चुके थे यह कल्पना करते ही उसका दिल भर आया। तभी उसने अपने को संभाला और अपनी सहेलियों के साथ बाहर चली गई।

1. यहाँ पर किसका निमंत्रण आया है? [2]

उत्तर : यहाँ पर मीनू की अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण आया है।

2. अतीत की स्मृतियों में डूब जाने पर मीनू क्यों उदास हो जाती है? [2]

उत्तर : मीनू को जब उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है तब वह उसे अतीत की बातें याद आने लगती है कि किस प्रकार अतीत में कई बार उसे कई लड़के ना-पसंद कर चुके थे। उन बातों को याद कर मीनू उदास हो जाती है।

3. कई लड़के उसे देखकर नापसंद कर चुके थे - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : मीनू साधारण नैन-नक्श की साँवले रंग-रूप की लड़की थी जिसके कारण उसे कोई भी पसंद नहीं कर रहा था। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि मीनू गुणों से भरी हुई लड़की थी पर सभी ऊपरी चमक-दमक को ही महत्त्व दे रहे थे।

4. मीनू अपनी सहेलियों के साथ कहाँ जा रही है? [3]

उत्तर : मीनू को उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है। तब वह अतीत की यादों में खो जाती है और उदास हो जाती है परंतु फिर अपनी स्थिति को संभाल कर अपनी सहेलियों के साथ पूर्वनियोजित योजनानुसार बाहर चली जाती है।